an>

Title: Shri Kanti Lal Bhuria representing Ratlam Parliamentary Constituency of Madhya Pradesh took oath in Hindi, signed the roll of Members and took his seat in the House.

HON. SPEAKER: Now, Secretary-General may call the name of newly elected Member to take oath or make affirmation.

SECRETARY GENERAL : Shri Kanti Lal Bhuria.

SHRI KANTILAL BHURIA (RATLAM) - Oath - Hindi

HON. SPEAKER: Now, the House will take up further discussion.

...(*Interruptions*)

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया (गुना) : माननीय अध्यक्ष जी, कल शाम को भाÂाण के दौरान सरकार के मंत्री ने इतनी अशोभनीय और निंदाजनक टिप्पणी की है, हमारे पूर्व प्रधान मंत्री...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: I have conveyed it.

...(*Interruptions*)

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया : माननीय अध्यक्ष जी, कल शाम को भाÂाण के दौरान इतनी निंदाजनक और अशोभनीय टिप्पणी की है, ...(व्यवधान) हमारे पूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा जी और राजीव जी के बारे में उन्होंने कहा है कि उनकी हत्या की गई,...(व्यवधान) उनके नियम के अनुसार, उनके शासन के अनुसार।...(व्यवधान) अगर भारत के ...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: I know it. Shri Venkaiah Naiduji.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: He is telling something.

...(*Interruptions*)

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया: अगर भारत के प्रधान मंत्री के प्रति इनकी ऐसी सोच है,...(व्यवधान) आज हम मांग करते हैं कि उनके द्वारा इस सदन से और इस देश से माफी मांगी जाए।...(व्यवधान) हम आपसे मांग और आग्रह करना चाहते हैं कि इस सदन के सामने वे माफी मांगे। हमारे प्रधान मंत्रियों के बारे में उन्होंने इतनी अशोभनीय टिप्पणी की है।...(व्यवधान) अगर ये इनकी सोच और विचारधारा होगी तो संविधान का संरक्षण यह सरकार कैसे कर पाएगी?...(व्यवधान)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : आदरणीय अध्यक्ष जी, मेरा भाÂाण प्रारंभ करने से पहले जिस विÂाय के बारे में अभी ज्योतिरादित्य जी ने और अन्य मित्रों ने आपको नोटिस दिया, आपने हमको भी बताया और बीच में कुछ कांग्रेस मित्र भी हमसे मिले थे। मैं इससे सहमत हूं। श्रीमती इंदिरा गांधी जी और श्री राजीव गांधी जी दोनों ने भारत के प्रधान मंत्री के रूप में काम किया है और उनके जमाने में सरकार की नीति के बारे में या पार्टी की नीतियों के बारे में आलोचना करने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए मगर जो नेता लोग नहीं हैं, जिस स्थिति में उन लोगों की उस समय हत्या की गई और उन लोगों ने कुर्बानी दी, उसको इसके साथ जोड़ना उचित नहीं है।...(व्यवधान): I do not think that the expression that was conveyed is right. ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Please let him complete.कम से कम उनको अपनी बात तो पूरी करने दीजिए। यह क्या बात है?

â€¦(व्यवधान)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: There are two ways. If you want the Parliamentary Affairs Minister to speak on behalf of the Government, I will do it. If you want the hon. Member to say it, I will ask the hon. Member to say it. What do you prefer?

HON. SPEAKER: He is not there. When will he come?

...(*Interruptions*)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: The issue has been raised. We are trying to address it. Please have some patience. He raised a pertinent point. The feelings are hurt. That is the impression. That is being addressed by the Government also in an appropriate manner. The Minister is not here right now. He is being called. If he is somewhere here, he will come here.

HON. SPEAKER: He is not here.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: He is in Rajya Sabha now.

...(*Interruptions*)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: When I say this, the Member will express regrets as and when he comes here. I will get him to the House. We are discussing a larger issue. Please try to understand. He will come here. Then whatever he say to say, he will say it. ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: He will come. But he is in the Rajya Sabha.

...(*Interruptions*)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: I have assured that the Member will come. He has not yet reached the Parliament. He is on the way. He is in the traffic. Once he comes, he will definitely express regret. Please sit down.

श्री कान्ति लाल भूरिया (रतलाम): उनकी तरफ से आप माफी मांगिए।...(व्यवधान)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : कान्तिलाल जी, मैं वही कर रहा था मगर वहां से यह इच्छा व्यक्त की गई कि माननीय सदस्य करें तो अच्छा होगा। मैंने उसको भी स्वीकार किया। आज आप पहले ही दिन सदन में चुनकर आये हैं। मैं आपका अभिनन्दन भी करना चाहता हूं और साथ ही साथ आप भारतीय वेशभूÂ○ा में आये हैं, हमारी पुरानी वेशभूÂ○ा में आये हैं, इसके लिए भी अभिनंदन करना चाहता हूं। आप कलरफुल दिख रहे हैं।...(व्यवधान)

We are discussing the issue of our commitment to the Constitution and we are also celebrating the 125th birth anniversary of Babasaheb Ambedkar. ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: No, no, this is not the way. Let him come here. He will come.

...(*Interruptions*)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: If they want to make political, then I leave it to them. ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : यह बात ठीक नहीं है। उन्होंने कहा है, वह आएंगे तो माफी मांगेंगे। उनको आना तो चाहिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री कांति लाल भूरिया : उनको माफी मांगनी चाहिए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मना नहीं है, लेकिन वह खुद आएं तो सही।

â€¦(व्यवधान)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Jyotiraditya-ji please try to understand. Kharge-ji, please.

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : माननीय अध्यक्ष जी, पार्लियामेंटरी अफेयर्स मिनिस्टर साहब ने यह तो रिएलाइज किया है, वह आने के बाद करेंगे लेकिन मैं सरकार से पूछना चाहता हूं कि राज्य सभा में तो क्वैधन आवर नहीं है, वे वहां बैठे हैं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : वह राज्य सभा में भी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वे रास्ते में हैं।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : जब वहां काम नहीं है तो कम से कम 11 बजे यहां रहना चाहिए। कल उन्होंने बात कही और चले गए। अगर हिट एंड रन ऐसा हुआ तो क्या यहां हम सिर्फ देखने के लिए आए हैं? इसीलिए आप बुलाइए। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : ऐसा नहीं है।

â€¦(व्यवधान)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : खड़गे जी, उनको बुलाया है। कल आप भी अपनी बात कहकर चले गए।...(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : ऐसे नहीं होगा। नहीं तो आप दस मिनट के लिए हाउस एडजर्न कीजिए।...(व्यवधान)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : ऐसा तरीका नहीं है।...(व्यवधान)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE : Let him come and explain.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Madam, this is a very important debate and I am of the view that the House should discuss this issue in a more decent and dignified manner.

I am thankful to Shri Bhartruhari Mahtab who had initially given the suggestion ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : ऐसे नहीं होता है।

â€¦(व्यवधान)

11.13 hours

(At this stage, Shri Rajeev Satav and some other hon. Members came

and stood on the floor near the Table.)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Madam, if they want to politicize it, I leave it to their collective wisdom. They want to politicize everything. This is very

unfair and unfortunate. A party which is supposed to be having seniority indulging in this sort of thing even on the day of our commitment to the Constitution is unfortunate. ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : अब उनको वैल में आने का बहाना चाहिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू: Please do not go to the well. ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : उनको बुलाना क्या है, वह आ गए हैं। अब आप अपनी सीट पर जाइए। कुछ बहाना बनाकर वैल में मत आइए।

â€¦(व्यवधान)

11.14 hours

At this stage, Shri Rajeev Satav and some other hon. Members

went back to their seats.

माननीय अध्यक्ष : जब हम बोल रहे थे कि वे आएंगे। वह ट्रैफिक में थे, आपको बताया कि आने में समय तो लगेगा।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: जब मिनिस्टर बात करते हैं तो उनको सेंसिबल तो होना चाहिए।...(व्यवधान)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : कृपया ऐसा कमेन्ट मत कीजिए। आपने इश्यु रेज किया, सेन्ट्रल हॉल में भी दिग्विजय जी, राजीव शुक्ला तथा अन्य लोगों ने मेरे ध्यान में लाया। मैंने तुरंत संबंधित लोगों से संपर्क कर बात किया। बाद में बताया गया कि नोटिस आया है। तो, अब सरकार रिस्पांड कर रही है। Let us not make everything political.

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री (श्री थावर चंद गहलोत) : माननीय अध्यक्ष महोदया, कल जिस विÂाय पर चर्चा हो रही थी, उसमें मैंने आपकी अनुमति से हिस्सा लिया था। अपने भाÂाण के दौरान मैंने देश के पूर्व प्रधानमंत्री आदरणीय इंदिरा जी का और श्री राजीव गांधी जी की दुखद मृत्यु का उल्लेख किया था। â€¦(व्यवधान) यदि उस पर विपक्ष के सदस्यों को आपत्ति है â€¦(व्यवधान) मेरा उद्देश्य किसी की भावना को उद्वेलित करना या दुख पहुंचाना नहीं था। मैं देश के प्रधानमंत्री के रूप में श्रीमती इंदिरा जी और श्री राजीव जी का सम्मान करता रहा हूँ। कल मैंने जो बोला, उसके आधार पर यदि किसी की भावना को ठेस पहुंची हो, तो आसंदी की ओर से जो निर्णय होगा, उसे मैं स्वीकार करूँगा। â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं कुछ बोलूँ या नहीं?

...(व्यवधान)

श्री थावर चंद गहलोत : यदि वे चाहते हैं कि मैं खेद व्यक्त करूँ, तो मैं खेद व्यक्त करता हूँ। â€¦(व्यवधान) मैं खेद व्यक्त करने के लिए तत्पर हूँ। â€¦(व्यवधान) मैं खेद व्यक्त कर रहा हूँ।

माननीय अध्यक्ष : श्री थावर चंद जी, एक बात ध्यान में रखें, आपने जिस तरीके से बोला है कि उनकी गलत पॉलिसीज के कारण यह हुआ। That is wrong. आप उसके लिए माफी मांगिए।

श्री थावर चंद गहलोत : मैं उसके लिए खेद व्यक्त करता हूँ।

11.17 hours